

रॉबर्ट वानॉय, निर्वासन से निर्वासन, व्याख्यान 4ए

निर्गमन 21 और उसके बाद और वाचा की

समीक्षा II। जंगल में इज़राइल डी. सिनाई में, निर्गमन 19 से गिनती 10:10 तक

1. सिनाई वाचा की स्थापना

इ। वाचा की पुस्तक निर्गमन 20:22-23:33

आइए वापस वहीं जाएं जहां हमने पिछली बार छोड़ा था, जो रोमन अंक II था, "जंगल में इज़राइल," खंड डी, "सिनाई में, निर्गमन 19-संख्या 10:10," और डी के तहत, हम 1e पर थे। एक है "सिनाई वाचा की स्थापना" और दूसरा है "वाचा की पुस्तक - निर्गमन 20:22-23:33।" याद रखें कि हमने अधिक विशिष्ट प्रकार के कानूनी मामलों में दस आज्ञाओं की मूलभूत भूमिका के अनुप्रयोग के रूप में वाचा की पुस्तक के बारे में बात की थी। हमने इसके कुछ उदाहरण देखे। उस चर्चा के अंत में, मैंने उल्लेख किया कि अस्तित्व में अन्य प्राचीन निकट पूर्वी कानून कोड भी हैं जिनकी खुदाई, अनुवाद और प्रकाशन किया गया है ताकि आप इन कानून कोड को पढ़ सकें - मैंने उनमें से पांच को स्लाइड 17 पर सूचीबद्ध किया है - सभी जिनमें से, आपने देखा, मूसा के समय से पहले का है। हमने निर्गमन की तारीख के बारे में बात की, जो वास्तव में मूसा की तारीख जानने का एक तरीका है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके पास शुरुआती तारीख का दृश्य है या देर की तारीख का, मूसा 1400-1200 ईसा पूर्व होगा, और यदि आप देखें इन कानून कोडों की तारीखें, वे 2000-1500 ईसा पूर्व से चली आ रही हैं, इसलिए पांच कानून कोड हैं जो प्रदर्शनात्मक रूप से उस समय से पहले के हैं जिसे आप निर्गमन 20-23 में वाचा कोड कह सकते हैं।

फिर हमने पिछली बार क्या किया: हमने बैल को काटने के इस मामले में, अनुबंध संहिता के एक कानून की एशुत्रा के कानूनों में से एक के साथ तुलना का एक उदाहरण देखा, विशेष रूप से निर्गमन 21 के श्लोक 35 की तुलना संहिता के कानून 53 से की गई एशुत्रा का। यह लगभग समान है, शब्दांकन थोड़ा अलग है, लेकिन जिस तरह से बैल के काटने की समस्या का इलाज किया जाता है वह निश्चित रूप से समान है। मैंने हमारे पिछले सत्र के अंत में इसका उल्लेख किया

था। यह सवाल उठाता है कि निर्गमन 20-23 की वाचा संहिता में कानून के निर्माण और प्राचीन निकट पूर्वी कानून कोड में कानूनों के निर्माण के बीच क्या संबंध है। घंटे के अंत में, मैंने सुझाव दिया कि मुझे नहीं लगता कि यह निष्कर्ष निकालने का कोई कारण है कि यह संभव नहीं है कि प्रभु ने वाचा की पुस्तक के नियमों के निर्माण में मूसा की जागरूकता, ज्ञान और परिचितता को शामिल किया। उस समय की कानूनी परंपराएँ। यदि आप वापस जाते हैं, जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, निर्गमन 18:16, जहां मूसा जंगल में अपने ससुर जेथ्रो से मिलता है, और जेथ्रो उसे हजारों, सैकड़ों, दसियों, इत्यादि पर न्यायाधीश नियुक्त करने की सलाह देता है, केवल मूसा के पास कठिन मामले आने वाले थे। हम निर्गमन 18 के श्लोक 16 में पढ़ते हैं, मूसा कहते हैं, “जब कभी उनका कोई विवाद होता है, तो वह मेरे पास लाया जाता है। मैं पक्षों के बीच निर्णय करता हूँ और उन्हें परमेश्वर के आदेशों और कानूनों की जानकारी देता हूँ।” मूसा ने सिनाई से पहले इज़राइल को ईश्वर के आदेशों और कानूनों के बारे में सूचित किया था, और जिस भी तरीके से उसने ऐसा किया, यह संभवतः वाचा की पुस्तक के कानूनों के निर्माण में जो हो रहा है, उसके समान है। इसलिए, जब आप निर्गमन 21:1 में पढ़ते हैं, “ये वे कानून हैं जिन्हें तुम्हें उनके सामने रखना है,” मुझे ऐसा लगता है कि जो हमें बता रहा है वह यह है कि इन कानूनों को दैवीय मंजूरी है, और प्रभु उन्हें इसराइल को दे रहे हैं मूसा के माध्यम से और, उस प्रक्रिया में, अपने समय की कानूनी परंपरा के बारे में मूसा के ज्ञान को अपने सूत्रीकरण में शामिल किया।

एफ। एनई [प्राचीन निकट पूर्वी] कानून कोड से कॉन्ट्रा उधार: मतभेद अब, यह कहने के बाद, इसका मतलब यह नहीं है, जैसा कि कुछ लोग तर्क देने का प्रयास करते हैं, बाइबिल की सामग्री बस इन अन्य प्राचीन कानून कोडों में से कुछ से उधार ली गई है। मुझे लगता है कि यदि आप बारीकी से देखें, तो वाचा की पुस्तक और प्राचीन निकट पूर्वी कानून संहिताओं के बीच बहुत सारे अंतर हैं। मैं उनमें से कुछ अंतरों से गुजरना चाहता हूँ। यदि आप अपने उद्धरणों को देखें, तो पृष्ठ 24 पर, विलियम डायरनेस द्वारा लिखित *थीम्स इन ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी* नामक खंड से कुछ पैराग्राफ हैं। डिर्नेस की वाचा की पुस्तक की चर्चा में उन्होंने बताया कि ऐसे कई तरीके हैं जिनमें वाचा की पुस्तक की शाब्दिक सामग्री इन अन्य प्राचीन कानून संहिताओं में आपको जो

मिलती है उससे कहीं बेहतर है। यह न केवल बहुत बेहतर है, यह कई मायनों में स्पष्ट रूप से भिन्न है, भले ही इसमें समानता के कुछ बिंदु हों, जैसे कि बैल को काटने का नियम। ध्यान दें कि वह कहते हैं - यह उद्धरणों का पृष्ठ 24 है - "ओटी कानून की अन्य कानून संहिताओं से सतही समानता को नकारा नहीं जा सकता है, और यह पूछना शिक्षाप्रद है कि उनके बीच क्या संबंध हो सकता है।

भगवान, राजा नहीं, कानून देने वाले के रूप में हम पहले ही देख चुके हैं कि इसराइल में राजा के बजाय भगवान कानून देने वाले के रूप में कार्य करते थे। इसने कानून के विचार को एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य में रखा। एक अर्थ में संपूर्ण ओटी कानून धार्मिक था। इस्राएल को इस अंतर की गहरी समझ थी: व्यवस्थाविवरण 4:8 में मूसा पूछता है, 'वह कौन बड़ी जाति है, जिसके पास इस सारी व्यवस्था के समान धर्मपूर्ण विधियां और नियम हैं?' वे जानते थे कि परमेश्वर ने 'किसी अन्य जाति के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया' (भजन 147:20)। लेकिन साथ ही पड़ोसी कानून संहिताओं के साथ समानताएं भी आश्चर्यजनक हैं। ये थोक उधारी को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं, बल्कि," और ये रोलैंड डेवॉक्स के शब्द हैं, जो एक फ्रांसीसी पुराने नियम के विद्वान थे, "एकल व्यापक प्रथागत कानून का प्रभाव।" दूसरे शब्दों में, एक बहुत व्यापक प्रकार था उस काल की प्रथागत परंपरा का. "आइए हम रिश्ते की अधिक विस्तार से जांच करें।

1. मूर्तिपूजा की निंदा सबसे पहले, क्योंकि कानून वाचा के रिश्ते की रक्षा के लिए है, मूर्तिपूजा की कड़ी निंदा की जाती है। निर्गमन 20:23।" निर्गमन 20:23 में ध्यान दें, "मेरे साथ कोई देवता न बनाना। अपने लिये चाँदी या सोने के देवता न बनाओ।" और निर्गमन 22:20 में, "जो कोई यहोवा को छोड़ किसी अन्य देवता के लिये बलिदान करे, उसे नष्ट किया जाना चाहिए।" अतः मूर्तिपूजा की निन्दा की जाती है।

2. जीवन का सम्मान किया जाता है दूसरे, जीवन का सम्मान किया जाता है। देखिए डायर्नेस क्या कहता है, "इसके अलावा, जीवन को ईश्वर से संबंधित माना जाता है," - उत्पत्ति 9:5 पर वापस जाएं, 'मनुष्य ईश्वर की छवि में बनाया गया है,' जो मनुष्य को अन्य जीवित प्राणियों से एक अनोखे तरीके से

अलग करता है - 'ताकि जब कोई बैल किसी मनुष्य को मार डाले, तो उसका मांस न खाया जाए, निर्गमन 21:28 और 32)। परिणामस्वरूप मृत्युदंड उतना सामान्य नहीं है जितना कि हममूराबी की कानून संहिता के मामले में है। वहाँ जो पत्नी अपनी संपत्ति की रक्षा नहीं करती, उसे नदी में फेंक दिया जाता है; मुकदमे में झूठी गवाही देने की तरह डकैती के लिए भी मौत की सज़ा दी जाती है। वास्तव में, सामान्य तौर पर, ओटी में निर्धारित सज़ा घोर क्रूरता पर रोक दर्शाती है। तो, यह ई के अंतर्गत दूसरी गोली है, "जीवन का सम्मान किया जाता है।" अब, ऐसे अपराधों की एक उचित संख्या थी जिनके लिए जीवन की मांग की जानी थी, पुराने नियम में मृत्युदंड वाले अपराध थे, लेकिन जो कुछ अन्य बाइबिल-संबंधी कानून संहिताओं में आप पाते हैं उससे बहुत कम।

3. सज़ाएँ संयम दिखाती हैं और तीसरा, सज़ाएँ संयम दिखाती हैं। सामान्य तौर पर, बाइबिल के कानून कोड में अतिरिक्त-बाइबिल कानून कोड की तुलना में बहुत अधिक संयम है, और इसके संबंध में जो बात विशेष रूप से सामने आती है वह यह है कि इसमें कोई शारीरिक विकृति नहीं है। यदि आप हममूराबी के कोड को देखें, तो कानून 192 कहता है, "यदि किसी चेम्बरलेन के दत्तक पुत्र या किसी भक्त के दत्तक पुत्र ने अपने पालक पिता या पालक माँ से कहा है, 'तुम मेरे पिता नहीं हो, तुम मेरी माँ नहीं हो,' 'वे क्या करेंगे? 'वे उसकी जीभ काट देंगे।' अंग-भंग, उस प्रकार की परंपरा मध्य पूर्व की कुछ संस्कृतियों में अभी भी जीवित थी। कानून 193, "यदि किसी चैंबरलेन का दत्तक पुत्र या किसी भक्त का दत्तक पुत्र अपने माता-पिता की पहचान करता है और अपने पालक पिता या पालक माँ से नफरत करने लगता है, और अपने पैतृक घर चला जाता है," तो उन्हें क्या करना चाहिए? "वे उसकी आंख निकाल लेंगे।" कानून 205, "यदि किसी वरिष्ठ दास ने अभिजात वर्ग के किसी सदस्य के प्रमुख को मारा है, तो वे उसका कान काट देंगे।" कानून 218, "यदि किसी चिकित्सक ने कांस्य लैंसेट के साथ किसी वरिष्ठ की बड़ी सर्जरी की है और किसी वरिष्ठ की मृत्यु का कारण बना है, या उसने वरिष्ठ की आंख की सॉकेट खोल दी है और वरिष्ठ की आंख को नष्ट कर दिया है, तो वे उसका हाथ काट देंगे।" इसलिए, यदि आप एक सर्जन हैं और आपने अपना काम खराब कर लिया है, तो आप अपना हाथ गँवा सकते हैं। लेकिन उस तरह की चीज़, शारीरिक विकृति, इन प्राचीन निकट पूर्वी कानून संहिताओं में काफी प्रमुख है। जब आप बाइबिल के कानून

कोड पढ़ते हैं तो आपको वह नहीं मिलता है।

4. वर्ग भेद प्रमुख नहीं हैं - समानता चौथा, वर्ग भेद प्रमुख नहीं हैं। पृष्ठ 24 के मध्य में, डायर्नेस कहते हैं, “यह तथ्य कि अनुबंधित रिश्ते में सभी ईश्वर की उपस्थिति में समान रूप से खड़े थे, उनके लिए अपने कानून में वर्ग भेद को पहचानना असंभव हो गया। स्वतंत्र लोगों के लिए एक कानून और गुलामों के लिए दूसरा कानून नहीं है। दरअसल, दास क्रूर और मांग करने वाले स्वामियों के खिलाफ कानून में विशेष सुरक्षा के लिए आते हैं। इसलिए, वर्ग भेद प्रमुख नहीं हैं। वे इन अन्य कानून संहिताओं में प्रमुख हैं। बाइबिल के कानून कोड में दासों को दुर्व्यवहार से बचाया जाता है। फिर, जैसा कि ड्राइनेस आगे कहता है, “इसके विपरीत, अधिकांश निकट पूर्वी कानून कोड जीवन में उसके स्थान पर निर्भर व्यक्ति के लिए अलग-अलग दंड निर्धारित करते हैं: ‘हम्मुराबी कोड 203: यदि किसी नागरिक की स्थिति ने उसके बराबर के गाल पर प्रहार किया है, वह एक मीना चांदी का भुगतान करेगा।” लेकिन अगले कानून पर ध्यान दें, “यदि किसी नागरिक के दास ने नागरिक स्थिति वाले व्यक्ति के गाल पर प्रहार किया है, तो वे उसका कान काट देंगे।” तो, आप जुर्माना अदा करते हैं यदि आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा उच्च है; यदि आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा निम्न है तो आप अपना कान खो देते हैं। इसलिए, बाइबिल पाठ में दासों को दुर्व्यवहार से बचाया गया है।

5. अनैतिकता को दंडित किया जाता है: विवाह संरक्षित अनैतिकता को कड़ी सजा दी जाती है, और उसके संबंध में, विवाहों की रक्षा या सुरक्षा की जाती है। डायर्नेस का कहना है, “क्योंकि विवाह ईश्वर की दृष्टि में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है और उनके द्वारा स्थापित किया गया है, शुद्धता के विरुद्ध किसी भी उल्लंघन पर कड़ी सजा दी जाती है। जबकि कई प्राचीन कानून संहिताओं में संकीर्णता को दंडित किया गया है, ओटी के बाहर ऐसे अपवाद हैं जो कानून द्वारा अधिकृत हैं। लेकिन ओटी में यदि किसी दास के साथ अनुचित व्यवहार किया जाता है, तो उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसे कि वह एक पत्नी हो, निर्गमन 21:7-11। यदि कोई पुरुष किसी कुंवारी को फुसलाए, तो वह उसकी पत्नी बन जाएगी, निर्गमन 22:16। अन्यथा, व्यभिचार और व्यभिचार मौत की सजा है। एक पुरुष और एक महिला के बीच उचित संबंधों के बारे में लैविकस

में सावधानीपूर्वक निर्देश इस चेतावनी से पहले दिए गए हैं कि उन्हें वैसा नहीं करना है जैसा कि मिस्र में किया गया था, जहां वे थे, न ही जैसा कि कनान में किया गया था जहां वे जा रहे थे। आप देखिए, लिंगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में कनानियों की प्रथाएं लेवितिकस में आपको जो मिलती हैं, उससे मौलिक रूप से भिन्न थीं। “और निर्देश इन प्रथाओं द्वारा स्वयं को अशुद्ध न करने की विनती के साथ समाप्त होते हैं क्योंकि 'मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ' (लैव्यव्यवस्था 18:30)। अंततः, मानवीय रिश्ते भी ईश्वर के चरित्र को प्रतिबिंबित करने वाले थे और इसलिए उन्हें कभी भी केवल समीचीनता के संदर्भ में नहीं समझा जाना चाहिए। पूरे ओटी में बेवफाई इतना भयानक पाप था कि भगवान ने इसका इस्तेमाल इज़राइल की उसके साथ बेवफाई की गहराई को दर्शाने के लिए किया।

6. WORA [विधवाएं, अनाथ, निवासी एलियंस] संरक्षित [वि. हार्बिन के वीडियो]

और फिर अंततः, विधवाओं, अनाथों और अजनबियों की रक्षा की जाती है। समाज के कमजोर लोगों को बहुत स्पष्ट रूप से संरक्षित किया जाता है, और जैसा कि डायर्नेस कहते हैं, "ओटी कानून में विशेष रूप से अद्वितीय अजनबी या विदेशी के लिए और उन लोगों के लिए कई प्रावधान हैं जो एक या दूसरे तरीके से विकलांग हैं। अंधों और बहरों, विधवाओं, अनाथों और गरीबों के लिए निर्देश थे। उत्पीड़न से सुरक्षा के लिए अजनबियों को चुना गया था, क्योंकि, यह समझाया गया है, 'आपको एक अजनबी के दिल को समझना चाहिए क्योंकि आप मिस्र में अजनबी थे।' परमेश्वर को विशेष रूप से वंचितों की चिंता थी, जिनके बारे में वह कहता है, 'यदि...वे मेरी दोहाई देंगे, तो मैं निश्चय उनकी दोहाई सुनूंगा' (निर्गमन 22:23)। कोई लगभग मसीह के शब्दों को सुन सकता है, 'धन्य हो तुम गरीब, क्योंकि परमेश्वर का राज्य तुम्हारा है' (लूका 6:20)। ओटी में गरीबी को एक गुण नहीं माना जाता है, लेकिन वहां यह माना जाता है कि गिरी हुई व्यवस्था कितनी अन्यायपूर्ण है, और जो लोग इसके अन्याय के विशेष शिकार हैं, वे परमेश्वर के लोगों को स्वयं परमेश्वर की दया व्यक्त करने के लिए स्वर्ग द्वारा भेजा गया अवसर प्रदान करते हैं।" यदि आप उदाहरण के लिए निर्गमन 22:21-22 को देखते हैं, तो आप वहां पढ़ते हैं, "परदेशी के साथ

दुर्व्यवहार न करना, या उस पर अन्धेर करना, क्योंकि तुम मिस्र में परदेशी थे। किसी विधवा या अनाथ से लाभ न उठाना। यदि तू ऐसा करेगा, और वे मेरी दोहाई देंगे, मैं उनकी दोहाई अवश्य सुनूंगा, मेरा क्रोध भड़क उठेगा, और मैं तुझे तलवार से घात करूंगा, और तेरी पत्नियां विधवा हो जाएंगी, और तेरे बच्चे अनाथ हो जाएंगे। इसलिए इसे बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, जिस तरह से विधवाओं, अनाथों और अजनबियों की रक्षा की जानी थी। 7.

मानवीय चिंता का उच्च स्तर आप निश्चित रूप से बाइबिल के कानून और उन अन्य प्राचीन निकट पूर्वी कानून कोडों में पाए गए कानूनों के बीच अंतर देख सकते हैं . हमने कुछ विशिष्ट अंतरों पर गौर किया है। यदि आप सामान्यीकरण करें, तो मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं कि धार्मिक भावना में अंतर है, उच्च स्तर की मानवीय चिंता है, और कानूनी शब्दावली, साथ ही आदेश और सामग्री में भिन्नता है। इसलिए, भले ही अनुबंध संहिता में ऐसे बिंदु हैं जहां आप उस विशेष अवधि और संस्कृति की कानूनी परंपरा का प्रतिबिंब देखते हैं, ये अंतर इतने प्रमुख हैं कि मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि बाइबिल से बाहर कोई प्रत्यक्ष उधार नहीं है कानून कोड जो वाचा की पुस्तक की संरचना या वाचा की पुस्तक के कानूनों के निर्माण में शामिल हैं। ऐसे कई कानून हैं जिनका बाइबिल से परे कानून कोड में कोई समानता नहीं है। 8. प्रत्यक्ष के बजाय

अप्रत्यक्ष एएनई कानून कोड के साथ संबंध इसलिए मुझे लगता है कि वाचा की पुस्तक और अन्य प्राचीन निकट पूर्वी कानून कोड के बीच संबंध के इस प्रश्न के बारे में निष्कर्ष यह है कि एक रिश्ता है, लेकिन यह प्रत्यक्ष के बजाय अप्रत्यक्ष है। मुझे लगता है कि निर्गमन 21:1, "ये वे कानून हैं जिन्हें तुम्हें उनके सामने रखना है" का मुद्दा यह है कि ये वे कानून हैं जो भगवान चाहते थे कि उनके लोग इस विशेष समय पर उनके पास हों क्योंकि उन्हें उनकी वाचा के रूप में स्थापित किया जा रहा है। लोग। वाचा की पुस्तक अपने दिव्य अधिकार और अपनी योजना में अद्वितीय है। लेकिन साथ ही, यह उस दिन की कानूनी अवधारणाओं में निहित है जिसमें इसे लिखा गया था। मुझे लगता है कि जिस तरह से भगवान अपने लोगों से बात करते हैं, उसमें हम आम तौर पर यही पाते हैं; वह उनके

पास उस भाषा, विचार रूपों, विचारों, संस्थानों में आता है जिनसे वे परिचित हैं, और ये कानून उस संबंध में इज़राइल में पाए जाने वाले किसी भी अन्य संस्थान से भिन्न नहीं हैं।

मुझे लगता है कि जो बात कही जा रही है वह यह है कि किसी अपराध के लिए दंड अपराध की गंभीरता के अनुरूप होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, अपराध की गंभीरता के साथ दंड की गंभीरता में समानता होनी चाहिए, आंख के बदले आंख, दांत के बदले दांत। हम्मूराबी की संहिता में जब कोई कोई मामूली काम करता है, तो वह अपना कान या आंख या हाथ खो देता है। दंड और अपराध के बीच असमानता है। आमतौर पर, आकस्मिक मृत्यु के लिए भी, उसके लिए कोई दंड नहीं है। बाइबिल सामग्री में आकस्मिक मृत्यु का विधान किया गया है। आकस्मिक मृत्यु के लिए मृत्युदंड लागू नहीं किया जाएगा। यह पूर्व नियोजित हत्या है जिसके लिए इसे लागू किया गया है। आम तौर पर, कुछ प्रकार का जुर्माना होगा। मान लें कि कोई घायल हो गया है, ठीक है, किसी और की आंख, हम इसे शाब्दिक रूप से नहीं लेते हैं - वे दूसरे व्यक्ति की आंख उससे नहीं लेंगे। अगर उसने कुछ किया तो उसे जुर्माना देना होगा, लेकिन बस इतना ही। लेकिन, कोई शारीरिक क्षति नहीं होगी।

एफ। वाचा की औपचारिक पुष्टि - निर्गमन 24:1-11

आइए च पर चलते हैं, "संविदा की औपचारिक रूप से पुष्टि की गई - निर्गमन 24:1-11।" इस सामग्री की प्रस्तुति के बाद, आपने श्लोक 3 में पढ़ा, "जब मूसा ने जाकर लोगों को प्रभु के सभी शब्द और नियम बताए, तो उन्होंने एक स्वर से उत्तर दिया, 'जो कुछ प्रभु ने कहा है, हम करेंगे।' तब मूसा ने वह सब कुछ लिख लिया जो यहोवा ने कहा था। वह अगली सुबह जल्दी उठा, पहाड़ के नीचे एक वेदी बनाई, और इस्राएल के बारह जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले बारह पत्थर के खंभे स्थापित किए। तब उस ने इस्राएली पुरुषोंको जवान भेजा, और उन्होंने यहोवा के लिथे मेलबलि करके होमबलि, और बछड़े बलि किए। मूसा ने आधा खून लेकर कटोरों में रखा, और आधा वेदी पर छिड़क दिया। फिर उसने वाचा की पुस्तक ली," - आप पूछते हैं कि 20 से 23 तक की इस सामग्री को वाचा की पुस्तक, शीर्षक, या वास्तव में, लेबल इस श्लोक 7 से क्यों कहा जाता है,

"उसने वाचा की पुस्तक ली," उन्होंने यह कानूनी सामग्री ली, "और इसे लोगों को पढ़कर सुनाया। उन्होंने उत्तर दिया, 'हम वह सब कुछ करेंगे जो प्रभु ने कहा है। हम मानेंगे।' तब मूसा ने लोहू लेकर लोगों पर छिड़का, और कहा, 'यह उस वाचा का लोहू है जो यहोवा ने इन सब कामों के अनुसार तुम्हारे साथ बान्धी है।' मूसा और हारून, नादाब और अबीहू और इस्राएल के सत्तर पुरनियों ने जाकर इस्राएल के परमेश्वर को देखा। उसके पैरों के नीचे नीलमणि से बने फुटपाथ जैसा कुछ था, जो आकाश की तरह साफ था। परन्तु, परमेश्वर ने इस्राएलियों के इन नेताओं के विरुद्ध अपना हाथ नहीं उठाया। उन्होंने परमेश्वर को देखा, और उन्होंने खाया और पीया।"

1. वाचा के मुख्य तत्व अब, यह वाचा अनुसमर्थन है, और आपको वाचा अनुसमर्थन समारोह के मुख्य तत्व मिलते हैं जो निर्गमन 24:3-11 के इस विवरण में दिखाई देते हैं। आपके पास श्लोक 4 और श्लोक 7 में उल्लिखित वाचा का दस्तावेज़ है, "मूसा ने वह सब कुछ लिख लिया जो प्रभु ने कहा था... उसने इसे लोगों को पढ़ा।" आपके पास पद 3 में उल्लिखित अनुबंध की शर्तें हैं, "उसने लोगों को प्रभु के सभी शब्द और नियम बताए।" और, पद 3 और पद 7 में आपके पास एक वाचा की शपथ है जहां लोग कहते हैं, "जो कुछ प्रभु ने कहा है, हम करेंगे।" ध्यान दें कि शपथ लोगों द्वारा ली जाती है। शपथ स्वयं भगवान द्वारा नहीं ली जाती। जनता ही शपथ लेती है। यह उस अंतर को सामने लाता है जिसे वादा अनुबंध और कानून अनुबंध कहा जाता है, के बीच देखा गया है और अक्सर लिखा गया है। हो सकता है कि मैंने इसका पहले भी उल्लेख किया हो। एक वादा वाचा में, जैसे कि अब्राहमिक वाचा या डेविडिक वाचा, ईश्वर वादा करता है और ईश्वर शपथ लेता है। यदि आप इब्राहीम वाचा के अनुसमर्थन पर वापस जाते हैं, तो आपके पास उत्पत्ति 15 में इसका वर्णन है। उस अध्याय में, आपके पास धूम्रपान, उग्र भट्टी है जो जानवरों के मारे गए हिस्सों के बीच चलती है जिसमें भगवान ले जा रहे हैं, क्या मेरेडिथ क्लाइन कहा है, आत्म-घातक शपथ खा, "यदि मैं ने जो वचन तुझ से दिया है उसे पूरा न करूँ, तो मुझ पर ऐसा ही होगा।" कानून की वाचा में, यह वे लोग हैं जिन्होंने शपथ ली है, और इस मामले में, सिनाई वाचा एक कानून वाचा है, और यह इस्राएली हैं जो वह सब करने की शपथ लेते हैं जो प्रभु ने उनसे करने की अपेक्षा की है।

2. खून का छिड़काव दूसरी चीज जिस पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं वह है खून का छिड़काव। धार्मिक समारोह, बलिदान और रक्त छिड़कना होता है। रक्त के छिड़काव पर अपने उद्धरण, पृष्ठ 27 देखें। यह जेए मोयटर से है। उन्होंने कहा, "द खून चाल पहला भगवन्मुखी में प्रायश्चित, लेकिन तब, दूसरी बात, मनुष्योचित. 'और वह लिया किताब का वाचा, और पढ़ना इसमें -- सुनवाई का लोग। और वे कहा, "सभी वह भगवान है बोले हम करेंगे करना, और होना आज्ञाकारी.' और मूसा लिया खून, और छिड़का यह पर लोग।' पर कौन से लोग किया वह छींटे डालना यह? पर क्या एकदम सही पल किया वह छिड़काव का खून घटित होना? पर पल कब वे प्रतिबद्ध खुद को ए जिंदगी का आज्ञाकारिता. पहला है आता है प्रतिबद्धता को आज्ञाकारिता अनुसार को भगवान ईश्वर, 'सभी वह भगवान है कहा हम इच्छा करना, और हम इच्छा होना आज्ञाकारी,' तब छिड़काव का खून मनुष्योचित. और क्या करता है वह अर्थ? यह साधन वह अभी जैसा खून का नियम पर एक हाथ स्थापित करता रिश्ता का शांति साथ ईश्वर द्वारा प्रायश्चित, इसलिए पर अन्य हाथ खून का नियम का कहना है रिश्ता का शांति साथ ईश्वर के लिए ए लोग WHO हैं प्रतिबद्ध को टहलना में आज्ञाकारिता. ईश्वर जानता है वह लोग हैं प्रोफ़ेसिंग आगे उनका ताकत: 'वे पास कुंआ कहा में क्या वे पास कहा। हे वह वहाँ थे ऐसा एक दिल में उन्हें, वह वे चाहेंगे... रखना सभी मेरा आज्ञाओं हमेशा।' (व्यवस्थाविवरण 5:28 और निम्नलिखित) लेकिन वे हैं प्रोफ़ेसिंग आगे उनका क्षमता। 'बहुत कुंआ,' कहते हैं ईश्वर, 'मैं इच्छा निर्माण ए प्रावधान के लिए उन्हें।' वही खून कौन है निर्मित शांति साथ ईश्वर इच्छा रखना शांति साथ ईश्वर। जैसा वे टहलना में रास्ता का आज्ञाकारिता, खून है उपलब्ध के लिए ए लोग प्रतिबद्ध को आज्ञा का पालन करना। जैसा वे ठोकर और गिरना, इसलिए नियम खून इच्छा होना उपलब्ध के लिए उन्हें।" तो आपको यहां एक अनुबंध अनुसमर्थन समारोह मिलता है, जिसमें ये तत्व शामिल हैं जो ऐसे अनुबंध अनुसमर्थन समारोहों की विशेषता हैं।

2. अंतर्राष्ट्रीय संधियों की तुलना

चलिए 2 पर चलते हैं। यह एक प्रकार की कोष्ठक चर्चा है जिसे मैं यहां सम्मिलित कर रहा हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यह इस पर चर्चा करने के लिए एक उपयुक्त जगह है, और यह प्राचीन निकट पूर्वी जागीरदारों में से प्रत्येक का विषय है संधियाँ और सिनाई वाचा। यह एक बड़ा मुद्दा है जिसके कई निहितार्थ हैं। इसलिए मैं आपके साथ इस पर काम करना चाहता हूं। प्राचीन निकट पूर्वी अंतर्राष्ट्रीय संधियों के साथ बाइबिल की वाचा सामग्री की तुलना करने का पूरा विचार, जो आज साहित्य में काफी आम है, 1954 में एक नया विचार था, जब जॉर्ज मेंडेनहॉल ने *द बाइबिल आर्कियोलॉजिस्ट* में कुछ लेख प्रकाशित किए, जिसका शीर्षक था, "कानून और इज़राइल और प्राचीन निकट पूर्व में वाचा। यदि आप अपनी ग्रंथ सूची में इस शीर्षक के अंतर्गत देखें तो वह लेख आपकी ग्रंथ सूची में है। मेंडेनहॉल के तर्क का मूल विचार यह था कि बाइबिल अनुबंध की साहित्यिक शैली और कुछ निकट पूर्वी संधियों की साहित्यिक शैली, विशेष रूप से हिती साम्राज्य की साहित्यिक शैली के बीच उल्लेखनीय समानताएं देखी जा सकती हैं। वह एक नया विचार था। वह लेख इन असामान्य प्रकार के लेखों में से एक है जो इस अर्थ में मौलिक है कि इसने अध्ययन के एक पूरे क्षेत्र का निर्माण किया, और 20^{वीं} शताब्दी के उत्तरार्ध में किताबें और किताबें, और लेख और लेख हैं जो मेंडेनहॉल के आह्वान से सामने आए। कुछ हिती संधियों और बाइबिल अनुबंध सामग्री के बीच साहित्यिक, संरचनात्मक समानता पर ध्यान दें। वे हिती संधियाँ वर्षों से चली आ रही थीं; उन्हें 1900 के दशक की शुरुआत में उजागर किया गया था और उनमें से कई 1920-1930 के दशक में प्रकाशित हुए थे। लोगों ने उन्हें देखा था, उनकी सामग्री से अवगत थे, लेकिन किसी ने हिती संधियों और बाइबिल अनुबंध सामग्री की साहित्यिक संरचना के बीच संरचनात्मक समानता पर ध्यान नहीं दिया। तो, यहाँ अध्ययन का एक नया क्षेत्र था।

एक। हिती संधियाँ

आइए, "हिती संधियों" पर चलते हैं। हिती संधियाँ न्यू हिती साम्राज्य कहलाती हैं, और पाँच राजाओं के शासनकाल के दौरान तैयार किए गए दस्तावेज़ थे। वहाँ कुछ दिलचस्प नाम हैं, जो स्लाइड 22 पर सूचीबद्ध हैं। संधियों को दो समूहों या प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है। कुछ को जागीरदार संधियाँ कहा जाता है, और अन्य को समता संधियाँ। एक जागीरदार संधि, जो सबसे

सामान्य रूप है, एक श्रेष्ठ और निम्न पक्ष के बीच एक संधि है। कभी-कभी जागीरदार संधि को सुजरेन संधि कहा जाता है। सुजैन हिती साम्राज्य का महान राजा था, वह संधि व्यवस्था के माध्यम से श्रेष्ठ भागीदार था, जबकि जागीरदार निम्न भागीदार था। सुजरेन, या जागीरदार संधि में, संधि के दो साझेदारों के बीच यह असमानता होती है, केवल निचला पक्ष ही संधि समझौते की शर्तों के प्रति शपथ से बंधा होता है। तो, जागीरदार शपथ लेता है। जैसा कि मैंने कहा, जागीरदार या सुजरेन संधि इस काल में पाई जाने वाली संधि का सबसे सामान्य रूप है।

लेकिन, जिसे समता संधि कहा जाता है उसके कुछ उदाहरण थे। सबसे अच्छा उदाहरण रामेसेस II और हट्टुसिलस III के बीच का है। अब, रामेसेस II मिस्र के 19^{वें} राजवंश का वह रामेसेस है जिसके बारे में हमने निर्गमन की अंतिम तिथि से मेल खाने की बात की थी। रामेसेस ने एक सेना ली और हितीयों के साथ सीरिया में ओरोंटेस तक लड़ाई लड़ी नदी। गतिरोध था। कोई भी वास्तव में निर्णायक जीत हासिल नहीं कर सका, और उस लड़ाई के समापन में उन्होंने जो किया वह बराबरी की संधि का संकेत है। समता संधि में, दोनों साझेदार शपथ लेते हैं, और वे दोबारा युद्ध में शामिल न होने पर सहमत होते हैं। वहां दक्षिण में मिस्र का अपना क्षेत्र था और उत्तर में हितीयों का अपना क्षेत्र था। वे एक गैर-आक्रामकता समझौते पर आये, वास्तव में यही था।

बी। हिती सुजरेन/वासल संधियाँ और संधि संधि अब, सुजरेन/वासल संधियों के साथ आप बाइबिल की वाचा संधि के साथ समानता पाते हैं। 1954 में उस लेख में मेंडेनहॉल के अनुसार, सुजरेन या जागीरदार संधि का उद्देश्य, "दोनों पक्षों के बीच आपसी समर्थन का एक मजबूत संबंध स्थापित करना था जिसमें हिती संप्रभु के हित प्राथमिक और अंतिम चिंता का विषय थे।" दूसरे शब्दों में, एक अर्थ यह है कि यह संधि एक शपथ है। हिती संप्रभु संप्रभु है, और यह वास्तव में उसके हित हैं जिन्हें इस संधि की शर्तों द्वारा संरक्षित और संरक्षित किया जा रहा है। इस संधि को "एकतरफा" कहा जाता है, अर्थात्, केवल निम्नतर भागीदार ही शपथ से बंधा होता है। उसके कारण, इसका मतलब यह था कि जागीरदार को हिती सुजरेन पर काफी हद तक भरोसा करना होगा, कि हिती सुजैन वही करेगा जो उसने करने का वादा किया था, और जागीरदार को उन शर्तों को पूरा करने का दायित्व होगा जो सुजरेन ने उस पर अधिकार कर लिया था। यदि आप इन संधियों

को पढ़ते हैं, तो आप पाते हैं कि जागीरदारों और हिती के महान राजाओं के बीच विश्वास का यह विचार कुछ सामान्य था और यह निराधार नहीं था, क्योंकि हिती महान राजाओं ने जागीरदारों के लिए परोपकारी कार्य किए थे। दूसरे शब्दों में, हिती राजा ने जागीरदार के साथ सकारात्मक व्यवहार किया था और उसके लिए अच्छे काम किए थे। तो, यह कोई अंध विश्वास नहीं था, बल्कि हिती शासक के सुरक्षात्मक और मददगार हाथ के पिछले अनुभव पर आधारित विश्वास था।

सी। हिती संधियों का स्वरूप: 6 तत्व आइए संधि के स्वरूप पर चलते हैं, जैसा कि स्लाइड 23 में देखा गया है। लगभग 16 या 18 हिती संधियाँ पाई गई हैं, और यदि आप उनकी विशेषता बताने वाले साहित्यिक पैटर्न को देखें, तो आप पाएंगे कि वे एक मानक निश्चित पैटर्न का पालन करते हैं। सुज़रेन जागीरदार संधियों के साहित्यिक पैटर्न में छह बुनियादी तत्व हैं। मैं एक मिनट में इनमें से प्रत्येक तत्व के बारे में कुछ कहने जा रहा हूँ। इसमें एक प्रस्तावना है, एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है, और फिर एक बुनियादी शर्त है, उसके बाद विस्तृत शर्तें हैं, उसके बाद गवाह हैं, और फिर आशीर्वाद और शाप हैं।

1. प्रस्तावना अब, प्रस्तावना के साथ, आपके पास हिती शासकों के नाम और उपाधियाँ हैं। दूसरे शब्दों में, प्रस्तावना संधि के लेखक की पहचान करती है - हिती शासक का नाम और उपाधियाँ। इसके बाद एक ऐतिहासिक प्रस्तावना आती है, और मुझे लगता है कि हम कह सकते हैं कि संधि प्रपत्र की संरचना में ऐतिहासिक प्रस्तावना संभवतः सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। इसके इतना महत्वपूर्ण होने का कारण यह है कि यह संधि संबंध के लिए स्वर और भावना निर्धारित करता है।

2. ऐतिहासिक प्रस्तावना ऐतिहासिक प्रस्तावना जो करती है वह महान राजा और जागीरदार के बीच पिछले संबंधों का विवरण देती है। जिस बात पर जोर दिया गया है वह अतीत में जागीरदारों के प्रति महान राजा के परोपकारी कार्य हैं। दूसरे शब्दों में, हिती राजा कहेगा, "मैंने तुम्हारे लिए यह और यह और यह किया है।" यह स्पष्ट हो जाता है कि यह किसी प्रकार का घिसा-पिटा फॉर्मूला नहीं है जो हिती साम्राज्य के सभी महान राजाओं द्वारा की गई सभी संधियों से जुड़ा हुआ है, क्योंकि सभी ऐतिहासिक प्रस्तावनाएं अलग-अलग हैं। वे विशिष्ट हैं, और उन्हें उन लोगों द्वारा माना जाता है

जिन्होंने उनका अध्ययन ऐसे बायोडाटा के रूप में किया है जिसमें वैध ऐतिहासिक जानकारी शामिल है। उनमें से कुछ बहुत लंबे और विस्तृत हैं, कुछ बहुत छोटे हैं, लेकिन वे दोनों संधि भागीदारों से जुड़ी अतीत की घटनाओं का वर्णन करते हैं। वे महान राजा के प्रति जागीरदार के प्रति कृतज्ञता, विश्वास और दायित्व की भावना दोनों का मामला बनाने का कार्य करते हैं।

दूसरे शब्दों में, महान राजा कहते हैं, "मैंने आपके लिए यह और यह किया है," और फिर जब आप शर्तों की ओर बढ़ते हैं, तो वह कहते हैं, "मैं आपसे यही अपेक्षा करता हूँ।" जागीरदार के पास महान राजा पर भरोसा करने का एक कारण है क्योंकि उसने अतीत में उसकी मदद की है, लेकिन महान राजा ने अतीत में जो किया है उसके कारण महान राजा के प्रति उसका दायित्व भी है। इसलिए उस ऐतिहासिक प्रस्तावना का इन दोनों पक्षों के बीच संबंधों की भावना को स्थापित करने में बहुत महत्वपूर्ण कार्य है।

3. बुनियादी शर्तें यह बिल्कुल स्वाभाविक रूप से संधि प्रपत्र के तीसरे तत्व में प्रवाहित होती है। तीसरा तत्व वह है जिसे मूल शर्त कहा जाता है, जिसे कभी-कभी पदार्थ का बयान भी कहा जाता है। यह एक संक्षिप्त, सामान्य खंड है जो महान राजा के प्रति छोटे संधि भागीदार की ओर से वफादारी के दायित्व, वफादारी के मौलिक दायित्व का सारांश प्रस्तुत करता है। संधियों में से एक में, ऐतिहासिक प्रस्तावना के बाद, यह मुर्सिलिस की एक जागीरदार के साथ एक संधि है, लेकिन उस मूल शर्त में लिखा है, "अब राजा की शपथ रखें और राजा की शक्ति की रक्षा करें।" यह आपका दायित्व है, यह आपका मौलिक दायित्व है। "इन शपथों को निभाओ, महान राजा की शक्ति की रक्षा करो।" मुर्सिलिस द्वारा उगारिट के एक अन्य व्यक्ति के साथ की गई एक अन्य संधि से, वह कहता है "आप, निकनेफा," जो कि जागीरदार राजा का नाम है, "अब से, भविष्य के दिनों में, आप राजा के प्रति वफादार रहेंगे हत्ती का, जो हितियों का राजा है। "आने वाले दिनों में, हट्टी के राजा, राजा के पुत्रों और हट्टी के साथ मित्रता का यह समझौता बनाए रखें।" तो, यह महान राजा के प्रति जागीरदार की ओर से वफादारी के मौलिक दायित्व का बयान है, जो ऐतिहासिक प्रस्तावना से निकलता है, जहां जागीरदार के प्रति महान राजा के लाभकारी और उदार कार्यों की गणना की गई थी।

4. विस्तृत शर्तें फिर, इसके बाद संधि के चौथे खंड में विस्तृत शर्तें आती हैं। और वहां, आपको वफादारी के दायित्व के सामान्य बयान के बजाय, विशिष्ट चीजें मिलती हैं जो जागीरदार से अपेक्षित होती हैं: अन्य विदेशी संबंधों का निषेध, जागीरदार को महान राजा के खिलाफ किसी भी बुरे शब्द की अनुमति नहीं देनी चाहिए, जागीरदार को सामने आना होगा हिंदी राजा वर्ष में एक बार वार्षिक श्रद्धांजलि लाते थे, जागीरदारों के बीच के विवादों को निर्णय के लिए महान राजा के पास प्रस्तुत किया जाता था, और महान राजा को जागीरदार से किस प्रकार की अपेक्षा होती थी, इसकी विस्तृत शर्तें दी जाती थीं।

5. देवता गवाह के रूप में इसके बाद गवाह के रूप में देवताओं की सूची दी गई है। जिन देवताओं की गणना की गई है वे हिंदियों के देवता हैं, अर्थात् महान राजा के, साथ ही जागीरदार के देवता भी हैं, और आमतौर पर ये सूचियाँ काफी लंबी हैं; और, ये देवता ही हैं जो यह सुनिश्चित करेंगे कि यह एक बाध्यकारी दस्तावेज़ है।

6. आशीर्वाद और अभिशाप जो स्वाभाविक रूप से छठे नंबर पर प्रवाहित होते हैं, आशीर्वाद और अभिशाप। यदि आप अपने दायित्वों का पालन करते हैं, तो आप इन देवताओं के आशीर्वाद का आनंद लेंगे। यदि आप बुनियादी और विस्तृत दोनों शर्तों की अवज्ञा करते हैं, तो आप इन विभिन्न देवताओं के शाप का अनुभव करेंगे। तो, आप कह सकते हैं कि देवता शाप और आशीर्वाद को लागू करने वाले हैं। आमतौर पर पहले श्राप दिया जाता है, उसके बाद आशीर्वाद दिया जाता है। अभिशापों में बाँझपन, गरीबी, प्लेग, अकाल, दुख जैसी चीजें शामिल हैं। आशीर्वाद एक जागीरदार वंश की निरंतरता है - यह हमेशा एक मुद्दा था, सिंहासन पर कौन सफल होने वाला था - स्वास्थ्य, समृद्धि, शांति, इस तरह की चीजें।

तो, यह हिंदी संधियों की संरचना है। मेंडेनहॉल, 1954 में, जब उन्होंने मूल लेख लिखा था जिसमें इस संरचना की ओर इशारा किया गया था, उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ संधियों में - सभी संधियों में नहीं, जहां आम तौर पर संरचना सुसंगत होती है - हालांकि, कुछ संधियों में, आपके पास कुछ अन्य अतिरिक्त विशेषताओं का संदर्भ है: जागीरदार द्वारा प्रतिज्ञा की गई एक

औपचारिक शपथ, एक अनुसमर्थन समारोह, विद्रोही जागीरदार के खिलाफ प्रक्रिया के लिए एक प्रपत्र, और चौथा, जागीरदार के अभयारण्य में आवधिक जनता के साथ संधि दस्तावेज जमा करने का प्रावधान अध्ययन। कुछ संधियों में, आपके पास उनमें से कुछ वस्तुओं का संदर्भ भी है।

सी। दूसरी सहस्राब्दी की हिती संधियाँ बाद की संधियों से भिन्न रूप में भिन्न हैं , अर्थात् बी, "जागीरदार संधियों का रूप।" आपकी रूपरेखा में लोअरकेस सी है "दूसरी सहस्राब्दी की हिती संधियाँ बाद की संधियों से अलग हैं।" जब मैं यहां बाद की संधियों के बारे में बात करता हूं, तो मैं विशेष रूप से एसरहद्दोन के समय की 7 वीं शताब्दी की असीरियन संधियों और 8 वीं शताब्दी की अरामी संधियों के बारे में सोच रहा हूं, जिन्हें कुछ लोग सेफ़ायर कहते हैं। इसलिए, हिती संधियों का रूप 7 वीं और 8 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में हुई संधियों के समूह से भिन्न है, जब आप यहां सेफ़ायर की संधियों को देखते हैं (वह अरामी संधियाँ हैं) और एसरहद्दोन की असीरियन संधियाँ - **स्लाइड 28 पर यह चार्ट बाइबिल पुरातत्व** में केए किचन के लेख से लिया गया है। यहाँ संरचना है: शीर्षक, गवाह, शर्तें और शाप। सेफ़ायर संधियाँ: शीर्षक, गवाह, शाप और शर्तें। आप इसकी तुलना हिती संधि और बाइबिल की वाचा सामग्री से करते हैं, जहां आपके पास शीर्षक, प्रस्तावना, शर्तें, जमा, गवाह, आशीर्वाद, शाप हैं।

आप देख सकते हैं कि इसकी एक अलग संरचना है, और 7 वीं और 8 वीं शताब्दी की असीरियन और अरामी दोनों संधियों के बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि कोई ऐतिहासिक प्रस्तावना नहीं है। हिती संधियों में, आपके पास एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है, लेकिन असीरियन और सेफ़ायर संधियों में कोई भी नहीं है। आपके पास शीर्षक है, संधि का रचयिता है, शर्तें हैं, गवाह हैं और श्राप हैं। इसका मतलब यह है कि आपका लहजा बहुत कठोर है, खासकर असीरियन संधियों में। यह शब्द कुछ जागीरदार राज्य पर असीरियन शक्ति का निर्मम अधिरोपण है। पिछले रिश्ते में जागीरदार के प्रति असीरियन शासक की ओर से किसी भी उदार या दयालु कार्रवाई का कोई संकेत नहीं है। भरोसे का कोई आधार नहीं है; ऐसा कुछ भी नहीं है जो महान राजा के प्रति वफादारी, कृतज्ञता, कृतज्ञता के योग्य हो। आप यहां जो पाते हैं वह जागीरदार पर लगाए गए दायित्वों की घोषणा है, यदि जागीरदार उन दायित्वों का पालन नहीं करता है तो उसे भयानक श्राप दिए जाएंगे। तब आपको

ध्यान आता है कि वहाँ कोई आशीर्वाद नहीं है, केवल अभिशाप हैं। तो आप देखते हैं, यदि आप हिती संरचना को देखते हैं, जहां आपके पास वह ऐतिहासिक प्रस्तावना है जो जागीरदार के प्रति महान राजा के उदार कार्यों का वर्णन करती है, और जिसमें आशीर्वाद के साथ-साथ शाप भी शामिल हैं, तो आपके पास एक पूरी तरह से अलग स्वर या भावना है संधि भागीदारों के बीच संबंध.

डी। संधियाँ और बाइबिल अनुबंध अब, यह कहने के बाद, मुझे वापस जाने दें; अपनी रूपरेखा पर ध्यान दें कि c "हिती संधियाँ इन बाद की संधियों से भिन्न रूप में भिन्न हैं," लेकिन d "संधियाँ और बाइबिल अनुबंध" है। यदि आपने उस हिती संरचना को देखा और फिर बाइबिल की वाचा सामग्री को देखा - ऐसे कई इंगील विद्वान हैं जिन्होंने इसके साथ काम किया है, और मैं इस पर बहुत अधिक समय खर्च नहीं करना चाहता, इसलिए आप बहस कर सकते हैं कि वास्तव में इसे कैसे तौलना है इसे हटा दें, लेकिन मैंने यहां केए किचन और जेए थॉम्पसन का उपयोग किया है। आप अपनी ग्रंथ सूची में उनके लेखन को देख सकते हैं। जब आप बाइबिल की सामग्री पर आते हैं, तो निश्चित रूप से, वाचा सिनाई में स्थापित की गई है, जहां हम निर्गमन की पुस्तक में हैं; उस वाचा को चालीस साल बाद मोआब के मैदानों में जंगल में भटकने के बाद नवीनीकृत किया गया था।

व्यवस्थाविवरण में वाचा का नवीनीकरण, यहोशू 24 और 1 शमूएल 11-12 व्यवस्थाविवरण की पुस्तक वास्तव में एक वाचा नवीनीकरण दस्तावेज़ है। ऐसा लगता है कि नेतृत्व में उत्तराधिकार से विशेष रूप से संबंधित अनुबंधों को आम तौर पर नेतृत्व में बदलाव के बिंदु पर नवीनीकृत किया गया था। जब मूसा मोआब के मैदानों में आता है तो वह अपनी मृत्यु के करीब होता है। इसलिए, उस समय वाचा के नवीनीकरण का एक कारण मूसा से जोशुआ तक नेतृत्व के परिवर्तन का प्रावधान करना था। आप वहां पहुंच गए हैं जिसे कुछ लोगों ने "वंशवादी उत्तराधिकार" कहा है। जब एक जागीरदार नेता की मृत्यु हो जाती है और आपको उत्तराधिकार मिलता है, तो महान राजा के साथ संधि का नवीनीकरण होता था। तो, यहां आपके पास मूसा और यहोशू हैं, और यदि आप व्यवस्थाविवरण को ध्यान से पढ़ें तो उस उत्तराधिकार पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है। अनुबंध नवीनीकरण समारोह आयोजित करना उचित है। जब आप यहोशू की पुस्तक के अंत में आते हैं,

यहोशू अध्याय 24, यहोशू मृत्यु के कगार पर है, और वह पूरे इस्राएल को शकेम में इकट्ठा करता है, और वहां यहोशू से नेतृत्व के परिवर्तन के बिंदु पर इस्राएल फिर से प्रभु के प्रति अपनी निष्ठा को नवीनीकृत करता है न्यायाधीशों के काल में। मुझे लगता है कि इन नवीनीकरणों का उद्देश्य नेतृत्व में परिवर्तन की अवधि के दौरान अनुबंध की निरंतरता प्रदान करना था।

तो आपके पास निर्गमन में स्थापित की गई वाचा है, जिसे व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में नवीनीकृत किया गया है, और यहोशू की मृत्यु के समय यहोशू 24 में नवीनीकृत किया गया है। अगला अनुबंध नवीनीकरण 1 शमूएल 11 और 12 है, जहां न्यायाधीशों से राजशाही में संक्रमण के समय था - धर्मतंत्र के नेतृत्व में संरचना में एक बड़ा परिवर्तन। किंगशिप की स्थापना गिलगाल में आयोजित एक अनुबंध नवीनीकरण समारोह के संदर्भ में की गई है। तो जैसे आप निर्गमन को देखते हैं, आप व्यवस्थाविवरण को देख सकते हैं, आप यहोशू 24 को देख सकते हैं, आप 1 शमूएल 12 को देख सकते हैं, और आप जो पाते हैं वह यह है कि हिती संधि के वे तत्व उन सभी बाइबिल सामग्रियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। अब, किचन और थॉम्पसन ने यहां स्लाइड 25 पर जो किया है वह उन तत्वों को लेना है: प्रस्तावना, किचन इसे निर्गमन 21 में पाता है, निर्गमन मार्ग के लिए, थॉम्पसन निर्गमन 19:3 से 20:2ए में; व्यवस्थाविवरण में, व्यवस्थाविवरण 1:1-5, और जोशुआ में, यहोशू 24:2, और इसी तरह ऐतिहासिक प्रस्तावना, बुनियादी शर्त, विस्तृत शर्त, गवाह, शाप और आशीर्वाद के साथ।

गवाहों के साथ भेदभाव नोटिस, यहां एक अंतर यह है कि आपके पास गवाहों के रूप में देवता नहीं हैं। निर्गमन 24:4 में, "मूसा ने वह सब कुछ लिख दिया जो यहोवा ने कहा था। वह अगली सुबह जल्दी उठा, पहाड़ के नीचे एक वेदी बनाई, इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले बारह पत्थर के खंभे स्थापित किए। वहाँ गवाह थे, बारह पत्थर के खम्भे। उदाहरण के लिए, यदि आप यहोशू 24:27 पर जाएँ, तो आप पढ़ते हैं, "देखो," उसने सभी लोगों से कहा, 'यह पत्थर हमारे विरुद्ध गवाही देगा। इसने वे सब वचन सुने हैं जो यहोवा ने तुझ से कहे हैं। यदि तुम अपने परमेश्वर के प्रति असत्य हो तो यह तुम्हारे विरुद्ध गवाही होगी।" व्यवस्थाविवरण में, मूसा स्वर्ग और पृथ्वी को उस संधि का साक्षी बनाता है जो इस्राएल ने प्रभु के साथ की है। तो, तुम्हारे पास गवाह हैं, और

तुम्हारे पास शाप और आशीर्वाद हैं।

मेरेडिथ क्लाइन की *महान राजा की संधि*

तो, मेंडेनहॉल के मूल लेख पर वापस जाने के लिए, जिस चीज़ पर मेंडेनहॉल ने ध्यान आकर्षित किया वह हिती संधियों की संरचना थी, और फिर वह बाइबिल की वाचा सामग्री में बहुत समान संरचनाओं पर विचार करता है। अब, मेरेडिथ क्लाइन, जो एक इंजीलवादी हैं, जिन्होंने हिती संधि सामग्री और बाइबिल अनुबंध सामग्री के बीच सादृश्य पर बहुत काम किया, ने *द ट्रीटी ऑफ़ द ग्रेट किंग नामक एक पुस्तक लिखी*, और वह पुस्तक इन दोनों के बीच इस सादृश्य की चर्चा थी। हिती संधियाँ और बाइबिल की वाचा सामग्री, लेकिन साथ ही, व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर एक टिप्पणी। जब वह उस पुस्तक को *महान राजा की संधि* काशीर्षक देता है, तो वह संक्षेप में कह रहा है कि व्यवस्थाविवरण एक वाचा दस्तावेज़ है। यह महान राजा की संधि है, और महान राजा यहोवा है। वह व्यवस्थाविवरण को रेखांकित करता है, मुझे लगता है कि वैध रूप से, एक तरह से जो संधि संरचना को दर्शाता है; आप देखते हैं कि वहाँ एक प्रस्तावना, ऐतिहासिक प्रस्तावना, शर्तें, महान आज्ञा, विशिष्ट है आज्ञाएँ, अधिक विस्तृत आज्ञाएँ, अनुमोदन, अनुबंध अनुसमर्थन, जिसमें आशीर्वाद और शाप भी शामिल हैं। वहाँ एक वंशवादी बयान की निरंतरता भी है - यह मूसा और जोशुआ के बीच नेतृत्व में परिवर्तन है। मुझे लगता है कि क्लाइन ने यह दिखाने में अच्छा काम किया है कि ड्यूटेरोनॉमी संधि प्रपत्र को कैसे प्रतिबिंबित करती है।

क्लाइन और ड्यूटेरोनॉमी अब, क्लाइन ने अपनी पुस्तक, *ट्रीटी ऑफ़ द ग्रेट किंग में इसके अलावा जो कुछ किया है*, वह हिती संधि प्रपत्र और बाइबिल अनुबंध सामग्री की समानता से उत्पन्न होने वाले कुछ निहितार्थों को इंगित करना है। अपने उद्धरणों को देखें, पृष्ठ 28, पैराग्राफ ए। वह कहते हैं, “यहां जिस स्थिति की वकालत की जानी है वह यह है कि व्यवस्थाविवरण एक वाचा नवीनीकरण दस्तावेज़ है जो अपनी कुल संरचना में मोज़ेक युग की आधिपत्य संधियों के क्लासिक कानूनी रूप को प्रदर्शित करता है। अब सर्वेक्षण किए गए साक्ष्यों के प्रकाश में, यह निर्विवाद प्रतीत होगा कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक, किसी काल्पनिक मूल मूल के रूप में नहीं, बल्कि अपने

वर्तमान स्वरूप की अखंडता में, एकमात्र ऐसा है जिसके लिए कोई वस्तुनिष्ठ साक्ष्य है, प्रदर्शित करता है प्राचीन आधिपत्य संधियों की संरचना उनके क्लासिक पैटर्न की एकता और पूर्णता में है। अब, आप देखेंगे कि वह व्यवस्थाविवरण के वर्तमान स्वरूप के बारे में बात कर रहा है; दूसरे शब्दों में, किसी काल्पनिक, मूल मूल के रूप में नहीं, बल्कि संपूर्ण पुस्तक की संरचना में। पिछली सदी में आलोचनात्मक विद्वानों का यह कहना आम रहा है कि व्यवस्थाविवरण एक बाद की रचना है, और इसका मूल मूल अध्याय 12 से 26 था, और फिर अध्याय 1-11 बाद में जोड़े गए, अध्याय 27-34 बाद में जोड़े गए, और यह सब मूसा के समय से बहुत बाद का था। अब, आप देख रहे हैं कि क्लाइन क्या कह रहा है, ऊयूटेरोनॉमी अपनी कुल रचना में एक साहित्यिक संरचना को प्रतिबिंबित करती है, इसकी शुरुआत और अंत में अतिरिक्त सामग्री के साथ कुछ मूल कोर में नहीं, बल्कि एक मूल रचना के रूप में। वह कहते हैं, “लेखक की क्षमता और अवसर की भव्यता को देखते हुए, पारंपरिक कानूनी रूप में वक्तृत्व और साहित्यिक संवर्धन का एक माप होना स्वाभाविक है।

और, निःसंदेह, पवित्रशास्त्र में ईश्वर के अनूठे रहस्योद्घाटन की अभिव्यक्ति के लिए सामान्य औपचारिक मीडिया को अपनाने में वैचारिक अनुकूलन अपरिहार्य है। दूसरे शब्दों में, हिती संधि प्रपत्र को किसी प्रकार के यांत्रिक तरीके से व्यवस्थाविवरण की सामग्री में स्थानांतरित नहीं किया गया है। कुछ निश्चित स्वतंत्रता है जिसके साथ उस रूप का उपयोग किया जाता है, और निश्चित रूप से, कुछ मानव राजा द्वारा एक जागीरदार पर संधि थोपने और भगवान द्वारा अपने लोगों के साथ एक अनुबंधित संबंध में प्रवेश करने के बीच बहुत बड़ा अंतर है, इसलिए कुछ अंतर हैं। लेकिन, सामान्य संरचना वही है, और वह इस कथन के साथ समाप्त करते हैं, “उल्लेखनीय बात यह है कि भगवान ने अपने लोगों पर अपने मुक्तिदायक शासन की परिभाषा और प्रशासन के लिए मानव राज्यों के इस कानूनी साधन का किस हद तक उपयोग किया है।” दूसरे शब्दों में, यहां एक और उदाहरण है कि भगवान उस समय के कानूनी रूपों में कैसे बोलते हैं जिसमें यह रहस्योद्घाटन दिया गया था, जिसके साथ वाचा स्थापित की गई थी। वह अपने और अपने लोगों के बीच संबंधों को संरचित करने के लिए उस चीज़ का उपयोग करता है जो उस समय के लोगों से परिचित थी।

अब, क्लाइन इसके कुछ निहितार्थों पर और काम करता है। पहला, व्यवस्थाविवरण की

तारीख का निहितार्थ है। अपने उद्धरणों में पृष्ठ 28 के नीचे पैराग्राफ बी देखें। “व्यवस्थाविवरण की प्राचीनता और प्रामाणिकता के प्रश्नों के लिए नए साक्ष्य के निहितार्थ को दबाया नहीं जाना चाहिए। जिस प्रकार के दस्तावेज़ से व्यवस्थाविवरण की पहचान की गई है, उसकी उत्पत्ति किसी आवर्ती अनुष्ठान की स्थिति में नहीं हुई थी। ये संधियाँ निश्चित रूप से विशेष ऐतिहासिक अवसरों के लिए तैयार की गई थीं। इसलिए, ड्यूटेरोनोमिक संधि की उत्पत्ति का संतोषजनक विवरण देने के लिए इज़राइल के राष्ट्रीय जीवन में एक उपयुक्त ऐतिहासिक प्रकरण की तलाश करना आवश्यक है। अब उन सभी आंकड़ों को दोहराए बिना, जो यह पूरी तरह से स्पष्ट करते हैं कि संबोधित करने वाले हाल ही में स्थापित धार्मिक राष्ट्र थे, हम केवल एक ही प्रश्न दबाएंगे: जहां, या तो राजतंत्रीय या पूर्व-राजशाही काल में, उस अवसर को छोड़कर, जिसके लिए ड्यूटेरोनोमी का पता चलता है। एक ऐतिहासिक स्थिति पाई जाएगी जिसमें बारह जनजातियों को एक संविदात्मक सगाई के लिए बुलाया गया होगा जिसका अजीब उद्देश्य, ड्यूटेरोनोमिक संधि के उद्देश्य के रूप में, इज़राइल पर एक (गैर-डेविडिक) राजवंश की निरंतरता की गारंटी देना था? दूसरे शब्दों में, यह मूसा से जोशुआ तक वंशवादी उत्तराधिकार का मुद्दा है, और यह व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में एक महत्वपूर्ण तत्व है। मूसा के जीवन के अंत के अलावा यह और कहां फिट होगा? तो, वह इसे तारीख के निहितार्थ के रूप में कहते हैं।

संधियाँ और व्यवस्थाविवरण की तिथि पृष्ठ 29 के शीर्ष पर वह अगला पैराग्राफ, “व्यवस्थाविवरण की रचना के समय का एक और सूचकांक आधिपत्य संधियों के दस्तावेजी रूप के विकास द्वारा प्रदान किया गया है। माना जाता है कि उपलब्ध साक्ष्य अभी भी काफी सीमित हैं और मौजूदा संधियों के बीच मतभेदों को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता है। यह वास्तव में एक ऐसी प्रजाति है जो हमें पुराने नियम के समय में मिलती है। फिर भी, एक स्पष्ट विकास है। उदाहरण के लिए, जहां शुरुआत को पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व सेफ़ायर और निमरुद की संधियों में संरक्षित किया गया है, यह दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व हिती संधियों या इसके समकक्ष का शुरुआती उम्मा नहीं है। इसके अलावा, सेफ़ायर संधियों में आशीर्वाद प्रतिबंधों का केवल एक निशान ही बचा है जो पहले की संधियों में प्रमुख हैं, और एसरहद्दोन की संधियों में प्रतिबंधों में विशेष रूप से शाप शामिल हैं।

सबसे उल्लेखनीय अंतर ऐतिहासिक प्रस्तावना का है, दूसरी सहस्राब्दी संधियों का विशिष्ट दूसरा खंड, अब बाद के ग्रंथों में नहीं पाया जाता है। हमने एक मिनट पहले इसके बारे में बात की थी।

इसलिए, अपने अगले पैराग्राफ में, वह कहते हैं, "तदनुसार, पहले और बाद की संधियों के बीच पैटर्न में पर्याप्त निरंतरता को पहचानना आवश्यक है, दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की हिती संधियों को 'क्लासिक' रूप के रूप में अलग करना उचित है।" . और बिना किसी संदेह के व्यवस्थाविवरण की पुस्तक इस दस्तावेजी विकास में क्लासिक चरण से संबंधित है। यहाँ महान राजा की ड्यूटेरोनोमिक संधि के मोज़ेक मूल के *प्रथम दृष्ट्या मामले की महत्वपूर्ण पुष्टि है।* देखिए, वह वहाँ जो तर्क दे रहा है वह यह है कि यदि आप तीसरी सहस्राब्दी से लेकर पहली सहस्राब्दी तक, दो हजार वर्षों से अधिक की संधियों की इस संरचना को देखें, तो हिती संधियों की संरचना, जिसे वह संधि का क्लासिक रूप कहता है, समानताएं हैं बाइबिल संधि सामग्री. यदि आप तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में वापस जाएं, तो संरचना काफी अलग है। यदि आप पहले जाते हैं, तो यह अलग है; यदि आप बाद में जाते हैं, तो यह अलग है। मुझे लगता है कि 16 या 18 हिती संधियाँ हैं; दो हजार वर्षों की अवधि में लगभग 85 संधियाँ प्राप्त हुई हैं, और यदि आप उन पर नज़र डालें, तो आप देखेंगे कि समय के साथ संरचनाएँ भिन्न होती गईं। बाइबिल की सामग्री हिती रूप से मेल खाती है; हिती रूप मोज़ेक युग का है - 1400 या 1200 के दशक का।

आप बाद में जाएं - आलोचनात्मक विद्वानों का पारंपरिक तर्क यह है कि व्यवस्थाविवरण 6^{वीं} या 7^{वीं} शताब्दी में लिखा गया था, जो कि इज़राइल के इतिहास के अंत में था। आमतौर पर, व्यवस्थाविवरण की उत्पत्ति 621 ईसा पूर्व योशियाह के समय को माना जाता है, जब कानून की किताब मंदिर में पुजारी हिल्कियाह को मिली थी, जो इसे योशियाह के पास ले जाता है। पारंपरिक आलोचनात्मक दृष्टिकोण यह है कि कानून की किताब व्यवस्थाविवरण थी; इसे मोज़ेक के रूप में दर्शाया गया था, लेकिन यह योशियाह के समय में यरूशलेम में पूजा को केंद्रीकृत करने के उद्देश्य से यरूशलेम के धार्मिक नेताओं द्वारा लिखा गया था। इसलिए, व्यवस्थाविवरण देर से दिनांकित होने पर आलोचनात्मक विद्वानों के बीच लगभग सर्वसम्मत सहमति है। व्यवस्थाविवरण की तिथि 621 ईसा पूर्व मानी जाती है, क्लाइन क्या कह रहा है, यदि आप व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के साहित्यिक रूप को देखें, तो वह रूप 1200-1400 के दशक में निहित है, मूसा का समय, हिती

महान राजा का समय , ईसा पूर्व 7^{वीं} शताब्दी

में, एसरहद्दोन संधियों के समय नहीं तो, ये तारीख के लिए निहितार्थ हैं। मैंने तब कहा था कि ट्रांसमिशन के तरीके पर भी प्रभाव पड़ता है। हमें अगली बार इस पर गौर करना होगा।

क्रिस एलीसन द्वारा प्रतिलेखित

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित

केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया